जहा पता ... कि किसी व्यक्ति ... सकता। उसका मानना है कि ... केवल आर्थिक आवश्यकताए नही हो सकती बल्कि सामाजिक आवश्यकताए भी जरूरी है। उसका मानना है केवल साफ क्रिया करने से ... नही होता बल्कि कोमल भावनाए उद्वेग और अनुभूतियो को ध्यान मे रखकर किसी का अध्ययन किया जाय।

तार्किक और अतार्किक क्रियाएं :-

(Logical and nonlogical action) :- तार्किक क्रियाएं वे क्रियाएं है जो तर्कयुक्त रीति से लक्ष्य को पूरा करती है, केवल उस व्यक्ति के ही दृष्टि मे ही नही जो उसको करता है बल्कि और अन्लोगो की भी दृष्टि मे भी जो अधिक व्यापक ज्ञान रखते है।

Eg: प्रातःकाल, उपासना करना

पैरेटो का मानना है कि किसी भी समाज में तार्किक और अतार्किक क्रियाएं दोनो एक साथ संचालित होती है किसी भी समाज का अस्तित्व सिर्फ तार्किक आधार पर सम्भव नहीं है। समाज में प्रचलित मुल्य विश्वास और प्रतिमानो को

केवल तर्कों के आधार पर सिद्ध नहीं किया जा सकता अर्थात समाज की बहुत सारी घटनाएं मान्यताएं तर्कहीन होती हैं। इसलिये समाज में तार्किक व अतार्किक दोनों का महत्व है।

परेटो का मानना है -

सामाजिक व्यवस्था के संचालन में तार्किक व अतार्किक इन क्रियाओं का भिन्न-2 अपना योगदान होता है कोई भी समाज किसी एक क्रिया व्यवस्था से संचालित नहीं हो सकता।

अर्थात तार्किक क्रियाएं, तर्क आधारित योजनाबद्ध क्रियाएं होती हैं जिनका समाज पर प्रभाव पड़ता है।

अतार्किक क्रियाएं योजनाबद्ध और गैरयोजना गतिविहिन होती हैं लेकिन समाज पर इसका प्रभाव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जरूर पड़ता है इसको नकारा नहीं जा सकता।

तार्किक क्रियाएं साधन व साध्य के समन्वय से होती है। आम तोड़ने के लिये किसी लक्ष्य पर हम पत्थर फेंकते हैं वह आम न आकर के अनौद्धिक कच्चा आम आ जाता है तो इसमें साधन व साध्य की अनुरूपता नहीं होती यदि वह पक्का आम आ जाय। जिसको हम चाहते हैं तो इसमें साधन व साध्य की अनुरूपता हो गयी। क्योंकि इसमें तर्क, बुद्धि

अतार्किक क्रियाएं व क्रियाएं हैं जो किसी निश्चित उद्देश्य से आधारित नहीं होती बल्कि प्रेरकशक्ति द्वारा निर्धारित होती हैं। जिसकी व्याख्या करना तात्कालिक रूप से सम्भव नहीं होता।

भ्रान्ततर्क की अवधारणा :-
(The concept of Derivations)

प्रत्येक व्यक्ति अपना कार्य उचित व उपयुक्त मानकर करता है अपने उस कार्य को प्रमाणित करने के लिये व्यक्ति अपने प्रकृति, आदर्शों नैतिक मापदण्डो की प्रतिमानों का तर्क देता है।

विलफ्रेडो परेटो के अनुसार :-
भ्रान्ततर्क वे क्रियाएं हैं जिसे कर्ता करता है और उसको सिद्ध करने के लिये विभिन्न प्रकार के यत्न करता है और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करता है।

लक्स साबुन के प्रचार में दीपिका पादुकोण उसकी महत्ता को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत करती है। जिससे भ्रान्तउत्पन्न होता है।

Scanned with OKEN Scanner